

Seat No. : \_\_\_\_\_

# SK-105 (H)

September-2020

B.A., Sem.-VI

CC-313 : Sociology  
(Social Psychology)

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 50

(Hindi Version)

विभाग – 1

सूचना : नीचे दिये गए आठ प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

1. सामाजिक मनोविज्ञान का अर्थ तथा विषय-वस्तु की चर्चा कीजिए । 14
2. सामाजिक मनोविज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों के बीच के सम्बन्ध को समझाइये । 14
3. बोधन का अर्थ और संघटन बताइये । 14
4. प्रेरक का अर्थ और प्रेरकों के प्रकार बताइये । 14
5. सामाजिक मनोवृत्ति का अर्थ, विशेषताएँ और प्रकार समझाइये । 14
6. सामाजिक मनोवृत्ति में परिवर्तन के कारक बताइये । 14
7. प्रत्यक्षीकरण का अर्थ दीजिए, प्रत्यक्षीकरण की संरचना की चर्चा कीजिए । 14
8. प्रत्यक्षीकरण में परिवर्तन की अवधारणा स्पष्ट कीजिए और प्रत्यक्षीकरण में परिवर्तन कारकों के बारे में चर्चा कीजिए । 14

## विभाग – 2

9. (A) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (कोई चार)

4

- (1) सामाजिक मनोविज्ञान समाज में \_\_\_\_\_ के व्यवहार का अध्ययन है।  
(व्यक्ति, प्राणी, समुदाय)
- (2) \_\_\_\_\_ मनुष्य को संस्कृति सीखनेवाला और उसके शिल्पकार प्राणी के तौर पर समझाने का प्रयास करता है।  
(मानवशास्त्र, समाज-शास्त्र, सामाजिक मनोविज्ञान)
- (3) \_\_\_\_\_ सामाजिक व्यवहार में प्रतिबिंबित होता महत्त्व का मूलभूत मनोवैज्ञानिक कारक है।  
(प्रेरक, बोधन, समूह)
- (4) समाजशास्त्र \_\_\_\_\_ विज्ञान है।  
(समूह का, व्यक्तियों का, प्राणियों का)
- (5) प्रत्यक्षीकरण का प्रथम घटकतत्त्व \_\_\_\_\_ है।  
(संवेदना, वंदना, प्रार्थना)
- (6) \_\_\_\_\_ में आने वाला परिवर्तन प्रत्यक्षीकरण में परिवर्तन लाता है।  
(समुदाय, व्यक्ति, ग्रामीण)
- (7) प्रत्यक्षीकरण \_\_\_\_\_ नहीं परन्तु परिवर्तनशील है।  
(स्थिर, अस्थिर, प्रेरणा)
- (8) सामाजिक अंतर मापन पद्धति के साथ \_\_\_\_\_ का नाम जुड़ा है।  
(बोगार्डस, लिक्ट, बी कुप्पुस्वामी)

(B) निम्नलिखित वाक्य सही या गलत हैं लिखिए : (कोई भी चार)

4

- (1) बोधनात्मक व्यवस्था के दो प्रकार हैं।
- (2) बोधनात्मक विषयवस्तु रूप से संगठित नहीं है।
- (3) क्या व्यक्ति अपने अनुभव से सीखता है ?
- (4) क्या प्रेरणा व्यवहार की दिशा और सातत्य सूचनापरक प्रक्रिया है ?
- (5) मनोवृत्ति जन्मजात नहीं परन्तु सीखी हुई है।
- (6) डर, त्रास, तिरस्कार – आशावादी मनोवृत्ति हैं।
- (7) उपकार, दया, विश्वास – आशावादी मनोवृत्ति हैं।
- (8) व्यवहार के संचालक बलों को प्रेरकों से जाना जाता है।